RNI No.: UPHIN/25/A1698

NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 172
दि. 21.10.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

INS विक्रांत से, पीएम ने देश के सभी 140 करोड़ नागरिकों को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज आईएनएस विक्रांत पर दिवाली समारोह के दौरान सशस्त्र बलों के जवानों को संबोधित किया। आज के दिन को एक अद्भुत दिन, एक अद्भुत क्षण और एक अद्भुत दृश्य बताते हुए, श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एक ओर विशाल महासागर है, तो दूसरी ओर है, भारत माता के वीर सैनिकों की अपार शक्ति। उन्होंने कहा कि जहाँ एक ओर अनंत क्षितिज और असीम आकाश है, वहीं दूसरी ओर आईएनएस विक्रांत की असीम शक्ति है, जो अनंत शक्ति का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि समुद्र पर सूर्य की रोशनी की चमक, दीपावली के दौरान वीर सैनिकों द्वारा जलाए गए दीपों की तरह है, जो दीपों की एक दिव्य माला बनाती है। उन्होंने कहा कि मेरा यह सौभाग्य है कि मैं भारतीय नौसेना के वीर जवानों के बीच यह दिवाली मना रहा हूँ।

आईएनएस विक्रांत पर बिताई अपनी रात को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अनुभव को शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है। उन्होंने बताया कि समुद्र में गहरी रात और सूर्योदय ने इस दिवाली को कई मायनों में यादगार बना दिया। आईएनएस विक्रांत से, प्रधानमंत्री ने देश के सभी 140 करोड़ नागरिकों को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

आईएनएस विक्रांत को राष्ट्र को सौंपे जाने के क्षण को याद करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि उस समय उन्होंने कहा था—विक्रांत भव्य, विशाल, विहंगम, अद्वितीय और असाधारण है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, "विक्रांत केवल एक युद्धपोत नहीं है; यह 21वीं सदी के भारत की कड़ी मेहनत, प्रतिभा, प्रभाव और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।" उन्होंने याद दिलाया कि जिस दिन राष्ट्र को स्वदेश निर्मित आईएनएस विक्रांत प्राप्त हुआ, उसी दिन भारतीय नौसेना ने औपनिवेशिक विरासत के एक प्रमुख प्रतीक का त्याग कर दिया था। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरित होकर, नौसेना ने एक नया ध्वज अपनाया।

प्रधानमंत्री ने कहा, "आईएनएस विक्रांत आज आत्मनिर्भर भारत और मेड इन इंडिया का एक सशक्त प्रतीक है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वदेशी रूप से निर्मित आईएनएस विक्रांत, समुद्र को चीरता हुआ, भारत की सैन्य शक्ति को दर्शाता है। उन्होंने याद दिलाया कि कुछ महीने पहले ही, विक्रांत के नाम ने पाकिस्तान की नींद उड़ा दी थी। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आईएनएस विक्रांत एक ऐसा युद्धपोत है, जिसका नाम ही दुश्मन के दुस्साहस का अंत करने के लिए पर्याप्त है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भारतीय सशस्त्र बलों का विशेष अभिनंदन किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय नौसेना द्वारा उत्पन्न किया गया भय, भारतीय वायु सेना द्वारा प्रदर्शित असाधारण कौशल, भारतीय थल सेना की वीरता और तीनों सेनाओं के बीच असाधारण समन्वय ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को शीघ्र आत्मसमर्पण करने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल सभी सैन्यकर्मी बधाई के पात्र हैं।

श्री मोदी ने कहा कि जब दुश्मन सामने हो और युद्ध आसन्न हो, तो जिस पक्ष के पास स्वतंत्र रूप से लड़ने की ताकत होती है, उसे हमेशा फायदा होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सशस्त्र बलों को मजबूत बनाने के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी है। प्रधानमंत्री ने गर्व व्यक्त किया कि पिछले एक दशक में भारत की सेनाएँ आत्मनिर्भरता की ओर लगातार आगे बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों ने हजारों ऐसी वस्तुओं की पहचान की है जिनका अब आयात नहीं किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप अब अधिकांश आवश्यक सैन्य उपकरण घरेलू स्तर पर निर्मित किए जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले 11 वर्षों में भारत का रक्षा उत्पादन तीन गुना से भी ज्यादा बढ़कर पिछले साल 1.5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। एक और उदाहरण देते हुए, श्री मोदी ने राष्ट्र को बताया कि 2014 से अब तक भारतीय शिपयार्ड ने नौसेना को 40 से ज्यादा स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बियाँ प्रदान की हैं। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में औसतन हर 40 दिनों में एक नया स्वदेशी युद्धपोत या पनडुब्बी नौसेना में शामिल हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस और आकाश जैसी मिसाइलों ने अपनी क्षमता साबित की है। दुनिया भर के कई देशों ने अब इन मिसाइलों को खरीदने की रुचि व्यक्त की है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत तीनों सेनाओं के लिए हथियारों और उपकरणों के निर्यात की क्षमता का निर्माण कर रहा है। श्री मोदी ने कहा, "भारत का लक्ष्य दुनिया के शीर्ष रक्षा निर्यातकों में शामिल होना है।" उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत के रक्षा निर्यात में 30 गुनी से भी ज्यादा वृद्धि हुई है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय रक्षा स्टार्टअप्स और स्वदेशी रक्षा इकाइयों के योगदान को दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि शक्ति और क्षमता के संबंध में भारत की परंपरा हमेशा से "ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय" के सिद्धांत पर आधारित रही ।

जिसका अर्थ है कि हमारा विज्ञान, समृद्धि और शक्ति मानवता की सेवा और सुरक्षा के लिए समर्पित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में, जहाँ राष्ट्रों की अर्थव्यवस्थाएँ और प्रगति समुद्री मार्गों पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं, भारतीय नौसेना वैश्विक

सादगी और स्वदेशी भाव से जगमगाई दीपावली: सीएम भूपेन्द्र पटेल ने पोते संग बाजार में की खरीदारी

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में खरीदारी करके दिवाली मनाई, स्थानीय विक्रेताओं के साथ जुड़े और भारतीय परंपराओं और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया।

(जीएनएस)।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने दीपावली के अवसर पर सोमवार को गांधीनगर के स्थानीय बाजार में अपने पोते के साथ पारिवारिक रूप से खरीदारी की।

मुख्यमंत्री का यह सादा और आत्मीय रूप जनता के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा। मुख्यमंत्री पटेल ने बिना किसी औपचारिकता के बिल्कुल एक आम नागरिक की तरह बाजार पहुंचकर उत्साहपूर्वक दीपावली की आवश्यक वस्तुएं खरीदीं। उन्होंने स्थानीय विक्रेताओं से मिट्टी के दीये, सजावटी सामग्री, मिठाइयाँ और

पारंपरिक उपहार खरीदते हुए लोगों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली भारतीय परंपरा और स्वदेशी भावना का सबसे बड़ा पर्व है। उन्होंने प्रधानमंत्री के ह्वोकल फॉर लोकलह्व और आत्मनिर्भर भारत के मंत्र को आगे बढ़ाते हुए देश में निर्मित वस्तुएं अपनाने का संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री ने बाजार के फेरीवालों और छोटे व्यापारियों से भी बातचीत की, उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं और उनके व्यवसाय के प्रति प्रोत्साहन व्यक्त किया।

उनकी विनम्रता और सादगी देखकर स्थानीय नागरिकों में अत्यंत प्रसन्नता का वातावरण रहा। स्थानीय लोगों का कहना था कि मुख्यमंत्री का यह आत्मीय व्यवहार उन्हें जनता के और करीब लाता है। लोग कहते नजर आए—"सीएम यानी कॉमन मैन"— जिसे श्री भूपेन्द्र पटेल ने एक बार फिर अपने व्यवहार और सादगी से साकार कर दिखाया।

प्रधानमंत्री ने दीपावली के अवसर पर सभी को बधाई दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिवाली के अवसर पर शुभकामनाएँ दी हैं। श्री मोदी ने कहा, "दिवाली के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ। प्रकाश का यह त्योहार हमारे जीवन को सद्भाव, सुख और समृद्धि से आलोकित करे। हमारे चारों ओर सकारात्मकता की भावना व्याप्त रहे।"

प्रधानमंत्री ने पर पोस्ट किया:

"दिवाली के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ। प्रकाश का यह त्योहार हमारे जीवन को सद्भाव, सुख और समृद्धि से आलोकित करे। हमारे चारों ओर सकारात्मकता की भावना व्याप्त रहे।"

"सभी देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रकाश का यह पावन पर्व हर किसी के जीवन को सुख-समृद्धि और सौहार्द से आलोकित करे, यही कामना है।"

सीएम योगी ने कहा कि अब अयोध्या विकास और विरासत का प्रतीक बन चुकी है

(जीएनएस)।

अयोध्या। अयोध्या में आज भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस पर नगर में त्रेतायुग की तरह ही प्रभु श्रीराम का स्वागत सत्कार किया गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका राजतिलक किया। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि अब अयोध्या विकास और विरासत का प्रतीक बन चुकी है। जहां कभी गोलियां चली थीं वहां अब दीप जल रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में दीपोत्सव के अवसर पर रामलला के दरबार में दीप प्रज्वलित किया और फिर सरयू की महाआरती में शामिल हुए। राम दरबार में दीप प्रज्वलन होने के बाद ही राम की नगरी 29 लाख दीयों से दमक उठी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब दुनिया भर के सनातन धर्मावलंबी अयोध्या आ रहे हैं। भारत के अलग-अलग कोनों से लोग रामलला का दर्शन करने आ रहे हैं। आज अयोध्या में विकास हो रहा है।

ये वही उत्तर प्रदेश है जहां गरीबों के घर में शौचालय बन रहा है। लोगों को कोरोना काल से ही राशन का वितरण किया जा रहा है और अगर बीमार हो जाएं तो पांच लाख रुपये का सुरक्षा कवर आयुष्मान योजना के रूप में दिया जा रहा है। प्रदेश में अब रामराज्य की स्थापना हो चुकी है। अब तैहिक, दैविक और भौतिक किसी भी तरह का दुख लोगों को नहीं हैं।

आज प्रदेश में कानून का राज है। पहले त्योहारों के समय दंगे होते थे। पहले लोग सोच नहीं सकते थे कि प्रदेश में शांति हो भी सकती है। आठ साल के बाद यूपी माफियाराज-गुंडाराज से मुक्त हो चुका है। अब प्रदेश के सामने पहचान का संकट नहीं है। अब अपराधी भयभीत हैं। किसान खुशहाल हैं। युवाओं के लिए अवसर हैं। महिलाएं सुरक्षित हैं। हर हृदय में उत्साह और उमंग है और जहां कभी गोलियां चली थीं वहां अब दीप प्रज्वलित हो रहे हैं।

सपा-कांग्रेस पर हमलाकर, बोले- उन्होंने गोली चलवाई और हम दिये जला रहे हैं

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण किया गया। हम नहीं भूल सकते हैं कि कांग्रेस ने कहा था कि राम तो हैं ही नहीं। राम तो मिथक हैं। उन्होंने सपा पर हमला करते हुए कहा कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान समाजवादी पार्टी के लोगों ने राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। उन्होंने गोली चलवाई थी हम दीप जला रहे हैं।

उन्होंने ताले लगवाए थे हम आस्था को आजाद कर रहे हैं। आज अयोध्या विकास और विरासत का अद्भुत संगम बन रही है। ये लोग विदेशी आक्रांताओं की कब्र पर तो आते हैं लेकिन रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर निमंत्रण देने पर भी नहीं आए।

सनातनियों की आस्था को कैद करने का कुत्सित प्रयास किया गया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या का ये दीपोत्सव 500 साल तक आस्था के संघर्ष की विजय का प्रतीक है। देश की आजादी के बाद हर भारतवासी के मन में था कि अब देश को सांस्कृतिक आजादी भी मिले लेकिन कुछ लोगों ने सनातनियों की आस्था को कैद करने का कुत्सित प्रयास किया पर आज भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं। सनातनियों ने 500 साल तक अपने देवस्थान के लिए संघर्ष किया।

सीएम योगी ने सभी सनातनियों को दी दीपोत्सव की बधाई

रामकथा पार्क में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन का प्रारंभ जय श्रीराम और सरयू मैया की जय के नारों से किया। उन्होंने दीपोत्सव 2025 की सभी सनातन धर्म मानने वालों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अयोध्या एक ऐसी नगरी है जहां धर्म मानव स्वरूप में उत्पन्न हुआ है। हमने 2017 में दीपोत्सव का शुभारंभ किया और सभी के सहयोग से दीपोत्सव की परंपरा प्रारंभ हुई।

आज दिवाली के दिन सभी बांध पर रहने को मजबूर हैं, वोट देने जाएं तो... पीके ने दुखती रगों पर रखा हाथ

भोजपुर जिले के जवानियां गांव में दिवाली के अवसर पर जन-सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर पहुंचे और बाढ़ पीड़ितों के साथ समय बिताया। उन्होंने दोपहर से देर शाम तक गांव के पास बांध पर शरण लिए लगभग 700 परिवारों के कठिन हालातों को करीब से देखा। बांध पर जीवन यापन कर रहे लोग आज भी अपने घरों से बेघर हैं और सरकार की उदासीनता का सामना कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने बताया कि यह उनकी जिम्मेदारी है कि बिहारवासियों को यह दिखाया जाए कि कैसे आम लोग सरकारी नीतियों की अनदेखी का शिकार हो रहे हैं।

'आप' का बिहार में दिल्ली-पंजाब वाला दम, 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट में किन चेहरों पर फोकस

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों के बीच आम आदमी पार्टी (अअढ) ने अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल , पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान मनीष सिसोदिया जैसे बड़े नाम शामिल हैं। यह सूची चुनाव आयोग को औपचारिक रूप से सौंपी गई है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बार आम आदमी पार्टी बिहार में "काम की राजनीति" और दिल्ली-पंजाब मॉडल के दम पर मैदान में उतरने जा रही है। पार्टी का फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली-पानी और रोजगार जैसे मुद्दों पर रहेगा, जो आम लोगों से सीधे तौर पर जुड़े हैं।

केजरीवाल और मान होंगे मुख्य प्रचारक

जारी सूची के अनुसार, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान इस चुनावी अभियान के मुख्य चेहरे होंगे। इनके साथ दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी प्रचार की जिम्मेदारी संभालेंगे।

वहीं, पार्टी के संगठन प्रभारी डॉ. संदीप पाठक, दिल्ली की मंत्री आतिशी, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, पंजाब के मंत्री अमन अरोड़ा, और पूर्व मंत्री गोपाल राय भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल हैं।

स्थानीय और क्षेत्रीय चेहरों को भी मिली जगह

अअढ ने इस सूची में बिहार से जुड़े कई स्थानीय नेताओं को भी शामिल किया है। इनमें उमेश कुशवाहा, दुर्गेश पाठक, अभिनव राय, रमेश कुमार यादव, नियाज अहमद, और सुदीप राय जैसे नाम शामिल हैं। पार्टी का कहना है कि स्थानीय चेहरों को आगे लाने से राज्य में संगठन को मजबूती मिलेगी और जनता से जुड़ाव बढ़ेगा।

टूट गया महागठबंधन! कांग्रेस उम्मीदवार के खिलाफ इस सीट पर तेजस्वी यादव ने उतारें कैंडिडेट

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव (2025) में महागठबंधन के 'एकजुटता' के दावों को बड़ा झटका लगा है। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने चौंकाने वाला फैसला लेते हुए बाहुबली नेता मुन्ना शुक्ला की बेटी शिवानी शुक्ला को लालगंज विधानसभा सीट से चुनावी सिंबल दिया है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसी सीट से महागठबंधन के सहयोगी दल कांग्रेस ने पहले ही आदित्य कुमार राजा को अपना प्रत्याशी घोषित कर रखा है।

RJD का यह कदम स्पष्ट रूप से दिखाता है कि सीट बंटवारे पर अंतिम सहमति नहीं बन पाई है, और अब दोनों प्रमुख सहयोगी दल एक-दूसरे के खिलाफ ताल ठोकेंगे, जिससे महागठबंधन में गहरी दरार आ गई है।

शिवानी शुक्रवार को ही करेंगी नामांकन

लालगंज सीट पर राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने बाहुबली नेता मुन्ना शुक्ला की बेटी शिवानी शुक्ला को टिकट देकर सबको हैरान कर दिया है। शिवानी शुक्ला शुक्रवार को अपनी मां के साथ राबड़ी देवी के आवास पर पहुंचीं, जहां उन्हें पार्टी का आधिकारिक सिंबल दिया गया। शिवानी आज ही लालगंज से अपना नामांकन दाखिल करने वाली हैं।

पुराने आरोपों को किया नजरअंदाज

आरजेडी के इस फैसले का सबसे बड़ा विरोधाभास शिवानी शुक्ला के पुराने बयानों से जुड़ा है। टिकट मिलने से पहले, शिवानी शुक्ला ने खुले तौर पर लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव पर 'पैसा लेकर टिकट देने' का गंभीर आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि जो लोग पैसा नहीं दे पाते, उन्हें टिकट नहीं दिया जाता। आरजेडी नेतृत्व ने शिवानी के इन गंभीर आरोपों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है।

'अनंत सिंह को पीटा था, सूरजभान डॉन है, इनको वोट देने से बेहतर है मर जाना', आरके सिंह क्यों हुए आगबबूला?

बिहार विधानसभा के पहले चरण के चुनाव में अब सिर्फ दो हफ्ते बचे हैं और राजनीतिक गर्माहट तेज होती जा रही है। इसी बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राज कुमार सिंह (आरके सिंह) ने कुछ ऐसा बयां दिया जिससे सियासी माहौल और भड़क गया। उन्होंने अपने बयान में अनंत सिंह से लेकर सूरजभान सिंह तक की आलोचना की है। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर कुछ विपक्षी नेताओं को "अपराधिक पृष्ठभूमि" वाला करार देते हुए चेतावनी दी कि ऐसे लोगों को वोट देने से बेहतर है "चुल्लू भर पानी में डूब मर जाना"। उनके इन शब्दों ने सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में तहलका मचा दिया है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने रेलकर्मियों को दी दिवाली की शुभकामनाएं और यात्री सेवा में उनके योगदान को सराहा

(जीएनएस)।

दिवाली खुशियों का त्यौहार है। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल द्वारा रेगुलर ट्रेन के अलावा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है, जिससे कि आप अपने परिवार के साथ घर जाकर दिवाली मना सके।हमारे स्टेशन मास्टर, टिकट चेकर,बुकिंग स्टाफ, ट्रैकमैन, लोको पायलट, ट्रेन मेनेजर, रेल सुरक्षा बल के जवान, सफाई सेवक इत्यादि हर किसी का यह प्रयास है कि इस त्योहार के सीजन में आपकी यात्रा मंगलमय हो और आप अपने परिवार के साथ खुशी–खुशी दिवाली एवं छठ मना सके।

वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके द्वारा आज वडोदरा स्टेशन पर ट्रैकमैन, सिग्नल मैन, सफाई सेवकों, रेल सहायक इत्यादि को दिवाली के इस पावन पर्व पर शुभकामनाएं दी गई और उन्हें मिठाई का वितरण भी किया गया।

श्री भडके ने रेल कर्मियों के इस फेस्टिवल सीजन में स्टेशन पर क्राउड मैनेजमेंट, साफ–सफाई जैसी विभिन्न व्यवस्थाओं के प्रबंधन में उनके योगदान के लिए धन्यवाद भी किया।

खुफिया निदेशालय ने न्हावा शेवा बंदरगाह पर "ऑपरेशन फायर ट्रेल" के तहत 4.82 करोड़ मूल्य के 46,640 तस्करी के पटाखे जब्त किए; एक गिरफ्तार

(जीएनएस)।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने "ऑपरेशन फायर ट्रेल" अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। डीआरआई ने भारत में चीनी मूल के पटाखों के अवैध आयात से जुड़े परिष्कृत तस्करी के प्रयास का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है।

इस अभियान के दौरान, डीआरआई अधिकारियों ने न्हावा शेवा बंदरगाह पर चीन से आए और आईसीडी अंकलेश्वर जाने वाले 40 फुट लंबे कंटेनर को पकड़ा, जिसमें "लेगिंग्स" होने का दावा किया गया था। विस्तृत जाँच में पता चला कि आगे की तरफ कपड़ों की ऊपरी परत के पीछे 46,640 पटाखे/विस्फोटक छिपाए गए थे। ₹4.82 करोड़ मूल्य की पूरी खेप जब्त कर ली गई।

बाद में की गई तलाशी में तस्करी गिरोह की कार्यप्रणाली उजागर करने वाले आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए और इसके पीछे एक प्रमुख व्यक्ति को गुजरात के वेरावल से गिरफ्तार किया गया।

विदेश व्यापार नीति के आईटीसी (एचएस) वर्गीकरण के तहत पटाखों का आयात 'प्रतिबंधित' है और इसके लिए विस्फोटक नियम, 2008 के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) दोनों से वैध लाइसेंस की आवश्यकता होती है।

ऐसे खतरनाक सामान का अवैध आयात सार्वजनिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा, महत्वपूर्ण बंदरगाह अवसंरचना और व्यापक शिपिंग एवं लॉजिस्टिक्स श्रृंखला के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है। डीआरआई ऐसे संगठित तस्करी नेटवर्क का पता लगाकर और उन्हें ध्वस्त करके, खतरनाक तस्करी से जनता की रक्षा करने और देश के व्यापार एवं सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र की अखंडता को बनाए रखने के अपने मिशन में दृढ़ है।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे बोर्ड वॉर रूम में यात्री आवागमन की स्थिति की समीक्षा की

सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों के 24\7 समर्पित प्रयासों की सराहना की और दीपावली की शुभकामनाएं दीं

भारतीय रेलवे ने 1 से 19 अक्टूबर के बीच विशेष ट्रेनों के माध्यम से 1 करोड़ से अधिक यात्रियों की यात्रा सुनिश्चित की; रेलवे ने त्यौहारी सीजन में सुविधा के लिए होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, स्वच्छ शौचालय और पेयजल जैसी व्यवस्थाओं के साथ भीड़ प्रबंधन को प्रभावी रूप से सुव्यवस्थित किया, ताकि यात्रियों को सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा का अनुभव मिल सके

भारतीय रेलवे ने त्योहारी सीजन में बढ़ी हुई यात्रा मांग को पूरा करने के लिए 1 से 19 अक्टूबर के बीच 3,960 विशेष ट्रेनों का सफल संचालन किया; दिवाली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा एवं भीड़ प्रबंधन हेतु 8,051 अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया गया

उत्तरी रेलवे (1,919), मध्य रेलवे (1,998) और पश्चिमी रेलवे (1,501) विशेष ट्रेनों की सर्वाधिक संख्या के संचालन के साथ पूरे देश में इस उत्सव रेल यातायात प्रबंधन में अग्रणी रहे

(जीएनएस)।

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेलवे बोर्ड के वॉर रूम का दौरा कर त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की आवाजाही की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने चौबीसों घंटे समर्पित भाव से कार्य कर रहे कर्मचारियों की प्रशंसा की और उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

भारतीय रेलवे (आईआर) ने चालू त्यौहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती यात्रा मांग को पूरा करने के लिए व्यापक और सुव्यवस्थित प्रबंध किए हैं। भारतीय रेल ने दिवाली पूजा और छठ पर्व के दौरान यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से 12,011 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में चलाई गई 7,724 ट्रेनों की तुलना में एक उल्लेखनीय वृद्धि को दशार्ता है।

भारतीय रेलवे द्वारा त्यौहारों के दौरान यात्रियों को सुगम, सुरक्षित व आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए पूरी तत्परता से कार्य किया जा रहा है। नियमित ट्रेनों के अतिरिक्त, बढ़ी हुई यात्रा मांग को पूरा करने हेतु भारतीय रेल ने 1 से 19 अक्टूबर, 2025 के बीच 3,960 विशेष ट्रेनों का सफलतापूर्वक संचालन किया है, जिससे देशभर में यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित हो सकी है।

भारतीय रेलवे की दिवाली और छठ पर्व के दौरान यात्री यातायात में अपेक्षित वृद्धि को ध्यान में रखते हुए आने वाले दिनों में लगभग 8,000 अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की योजना है, ताकि यात्रियों को सुविधाजनक, सुरक्षित और समयबद्ध यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके।

ये विशेष रेलगाड़ियां भारतीय रेलवे के सभी जोनों में संचालित की जा रही हैं, जिनमें उत्तर रेलवे (1,919 ट्रेनें), मध्य रेलवे (1,998 ट्रेनें) और पश्चिमी रेलवे (1,501 ट्रेनें) सबसे अधिक संख्या के साथ अग्रणी हैं। इसके अलावा, पूर्व मध्य रेलवे (1,217 ट्रेनें) और उत्तर पश्चिम रेलवे (1,217 ट्रेनें) सहित अन्य जोनों ने भी क्षेत्रीय यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त सेवाएं शुरू की हैं। कुल 12,011 विशेष रेलगाड़ियों का जोनवार विवरण निम्नानुसार है:

जोन रेलगाड़ियां सीआर

1998– ईसीओआर– 367– ईसीआर– 1217– ईआर– 310– केआर– 3– एनसीआर– 438– एनईआर– 442– एनएफआर– 427– एनआर– 1919– एनडब्ल्यूआर– 1217– एससीआर– 973– एसईसीआर– 106– एसईआर– 140– एसआर– 527– एसडब्ल्यूआर– 325– डब्ल्यूसीआर– 101– डब्ल्यूआर– 1501– कुल योग

12011

2025 में सभी त्यौहार विशेष अधिसूचित ट्रेनों की सूची:

पहली अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2025 के बीच, इन विशेष सेवाओं के माध्यम से 1 करोड़ से अधिक यात्रियों को रेल सेवा की सुविधा प्रदान की जा चुकी है। यात्रियों को सुरक्षित व आरामदायक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए स्टेशनों पर समर्पित होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल सुविधाएं और स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं, साथ ही भीड़ प्रबंधन को प्रभावी रूप से सुव्यवस्थित किया गया है।

नई दिल्ली क्षेत्र के अंतर्गत नई दिल्ली, दिल्ली, आनंद विहार, हजरत निजामुद्दीन और शकूरबस्ती स्टेशन से 16 से 19 अक्टूबर, 2025 के दौरान कुल 15.17 लाख यात्रियों ने सफर किया। यह पिछले वर्ष इसी अवधि में 13.66 लाख यात्रियों की तुलना में 1.51 लाख यात्रियों की वृद्धि को दशार्ता है।

इसके पहले, केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली तथा आनंद विहार रेलवे स्टेशनों का दौरा किया और यात्रियों से बातचीत कर भारतीय रेलवे द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर उनकी प्रतिक्रिया जानी। यात्रियों की सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए की गई विशेष व्यवस्थाओं में होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल सुविधाएं, ट्रेनों के समय का स्पष्ट प्रदर्शन और अन्य जरूरी सुविधाएं शामिल हैं।

भारतीय रेलवे त्योहारों के दौरान सभी यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक एवं निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कुशल संचालन और प्रत्येक यात्री के लिए सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से 12 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारी चौबीसों घंटे समर्पित रहते हुए अथक प्रयास कर रहे हैं।

कंडीडेट्स लिस्ट: आरजेडी ने जारी की उम्मीदवारों की पूरी लिस्ट, कितनी सीटों पर लड़ रही तेजस्वी की पार्टी?

(जीएनएस)।, बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के नामांकन की आखिरी तारीख (सोमवार) पर, राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने आखिरकार अपने 143 उम्मीदवारों की पूरी सूची जारी कर दी है। नामांकन का समय खत्म होने से कुछ ही घंटे पहले यह घोषणा, महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर मची लंबी खींचतान और आखिरी मिनट की बेचैनी को दशार्ती है।, सीटों पर सहमति न बन पाने के कारण, फ्खऊ और कांग्रेस के बीच कम से कम 12 सीटों पर अब एक–दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार मैदान में हैं। कहलगांव और सुल्तानगंज जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर भी गठबंधन के दलों के बीच सीधी टक्कर है, जो महागठबंधन की एकता पर गंभीर सवाल खड़े करती है और चुनावी समीकरणों को जटिल बना रही है।, क्रम संख्या विधानसभा क्षेत्र क्षेत्र संख्या प्रत्याशियों का नाम, 1 राघोपुर 128 तेजस्वी प्रसाद यादव, 2 बिहारीगंज , 71 रेनु कुशवाहा, 3 बैसी , 57 अब्दुस सुब्हान, 4 बोचहां 91 अमर पासवान, 5 वारसलीगंज 239 अनीता देवी महतो, 6 तरैया 116 शैलेन्द्र प्रताप सिंह, 7 महिषी 77 गौतम कृष्ण इऊ्ड, 8 झाझा 242 जय प्रकाश यादव, 9 अलीनगर 81 विनोद मिश्रा, 10 अस्तावन 171 रवि रंजन कुमार, 11 मटिहानी 144 बोगो सिंह, 12 दरभंगा ग्रामीण 82 ललित यादव, 13 कुरहानी 93 बाबुलु कुशवाहा, 14 केवटी 86 डॉ. फराज फातमी, 15 गायघाट 88 निरंजन यादव, 16 सिमरी बख्तियारपुर 76 युसुफ सल्लाउद्दीन, 17 हसनपुर 140 माला पुष्पम, 18 मधेपुरा 73 प्रो. चंद्रशेखर, 19 मधुबन 18 संध्या रानी कुशवाहा, 20 इमामगंज 227 ऋतु प्रिया चौधरी, 21 बराचट्टी 228 तनुश्री मांझी, 22 कांटी 95 इजराइल मंसूरी, 23 हथुआ 104 राजेश कुशवाहा, 24 सहेबगंज 98 पृथ्वी राय, 25 सिंहेश्वर 72 चंद्रहास चौपाल, 26 बैकुंठपुर 99 प्रेम शंकर यादव, 27 बरौली 100 दिलीप सिंह, 28 हाजीपुर 123 देव कुमार चौधरी, 29 बहादुरपुर 85 भोला यादव, 30 सिवान 105 अवध बिहारी चौधरी, 31 बड़हरिया 110 अरुण गुप्ता, 32 मीनापुर 90 मुन्ना यादव, 33 रघुनाथपुर 108 ओसामा शहाब, 34 छपरा 118 शत्रुघ्न कुमार उर्फ खेसारी लाल, 35 गरखा 119 सुरेंद्र राम, 36 महाराजगंज 112 विशाल जायसवाल, 37 एकमा 113 श्रीकांत यादव, 38 बनियापुर 115 चांदनी देवी सिंह, 39 अत्री 233 वजयंती देवी, 40 राजौली 235 पिंकी चौधरी, 41 पारू 97 शंकर यादव, 42 मरहौरा 117 जितेंद्र राय, 43 गोरीकोठी 111 अनावरूल हक अंसारी, 44 लालगंज 124 शिवानी शुक्ला, 45 परसा 121 डॉ करिश्मा राय, 46 सोनपुर 122 डॉ रमणुज प्रसाद, 47 सरायरंजन 136 अरविंद सहनी, 48 मोरवा 135 रणविजय साहू, 49 चेरिया–बरियारपुर 141 सुशील सिंह कुशवाहा, 50 उजियारपुर 134 आलोक मेहता, 51 महुआ 126 डॉ मुकेश रौशन, 52 अलौली 148 रामवृक्ष सदा, 53 महनार 129 रविंद्र सिंह, 54 पातेपुर 130 प्रेमा चौधरी, 55 समस्तीपुर 133 अख्तरुल इस्लाम शहीन, 56 तारापुर 164 अरुण शाह, 57 अमनौर 120 सुनील राय, 58 मोकामा 178 वीणा देवी, 59 मोहिउद्दीननगर 137 डॉ ईजा यादव, 60 वैशाली 125 अजय कुशवाहा, 61 सहेबपुर कमाल 145 सतानंद संभुद्ध, 62 बाढ़ 179 कर्मवीर सिंह, 63 मुंगेर 165 अविनाश विद्यार्थी, 64 परबत्ता 151 डॉ संजीव सिंह, 65 सूर्यगढ़ा 167 प्रेम सागर चौधरी, 66 मनेर 187 भाई वीरेन्द्र, 67 इसलामपुर 174 राकेश रौशन, 68 शेखपुरा 169 विजय सम्राट, 69 मसौढ़ी 189 रेखा पासवान, 70 नरकटिया 12 डॉ शमीम अहमद, 71 हिलसा 175 शक्ति सिंह, 72 हरसिद्धि 13 राजेंद्र राम, 73 दानापुर 186 ऋत्तल राय, 74 बख्तियारपुर 180 अनिरुद्ध यादव, 75 बांकीपुर 182 रेखा गुप्ता, 76 गोबिंदपुर 238 पुर्निमा देवी, 77 फतुहा 185 डॉ. रमानान्द यादव, 78 रामनगर 2 सुभोध पासवान, 79 कल्याणपुर 16 मनोज यादव, 80 मोतीहारी 19 देवा गुप्ता, 81 सन्देश 192 डिपु राणा, 82 नरकटियागंज 3 दीपक यादव, 83 बड़हरा 193 रामबाबू पासवान, 84 जगदीशपुर 197 कुनाल किशोर, 85 शाहपुर 198 राहुल तिवारी, 86 ब्रह्मपुर 199 शंभु नाथ, 87 चिरैया 20 लक्ष्मी नारायण प्रसाद, 88 धाका 21 फैसल रहमान, 89 श्योहर 22 नवनीत झा, 90 परिहार 25 स्मिता पुरवे गुप्ता, 91 सुरसंड 26 सैयद अबू जोन, 92 बाजपट्टी 27 मुकेश यादव, 93 सीतामढ़ी 28 सुनील कुशवाहा, 94 रुनीसैदपुर 29 चंदन कुमार, 95 बेलसंड 30 संजय गुप्ता, 96 खजौली 33 बृज किशोर यादव, 97 बाबूबरही 34 अरुण कुशवाहा, 98 बिस्फी 35 आसिफ अहमद, 99 मधुबनी 36 समीर महसेठ, 100 राजनगर 37 प्रो. विष्णु राम, 101 लौकाहा 40 भारत भूषण मंडल, 102 त्रिवेणीगंज 44 संतोष सरदार, 103 छातापुर 45 डॉ विपिन कुमार नोनिया, 104 नरमली 41 बैजनाथ मेहता (सेवानिवृत्त क्फ्र), 105 नरपतगंज 46 मनीष यादव, 106 रानीगंज 47 अविनाश पंगलम, 107 जोकीहाट 50 शाहनवाज आलम, 108 ठाकुरगंज 53 सउद आलम, 109 कोचाधामन 55 मुजाहिद आलम, 110 रुपौली 60 बीमा भारती, 111 धमदाहा 61 संतोष कुशवाहा, 112 प्राणपुर 66 इशरत परवीन, 113 पिरपैंती 154 राम विलास पासवान, 114 कहलगांव 155 रजनीश भारती, 115 सुल्तानगंज 157 चंदन सिन्हा, 116 नाथनगर 158 शेख जेयाउल हसन, 117 ढोरैया 160 त्रिभुवन दास, 118 कटोरिया 162 स्वीटी सीमा हेम्ब्रम, 119 बेलहर 163 चनक्या प्रकाश रंजन, 120 रामगढ़ 203 अजीत सिंह, 121 मोहनिया 204 श्वेता सुमन, 122 भभुआ 205 बीरेन्द्र कुशवाहा, 123 चैनपुर 206 बृज किशोर बिंद, 124 सासाराम 208 सतेन्द्र साह, 125 दिनारा 210 राजेश यादव, 126 नोखा 211 अनीता देवी नोनिया, 127 चकाई 243 सावित्री देवी, 128 डेहरी 212 गुड्डू चंद्रवंशी, 129 कुरथा 215 सुदय यादव, 130 जहानाबाद 216 राहुल शर्मा, 131 मखदुमपुर 218 सुबेदार दास, 132 गोह 219 अमरेन्द्र कुशवाहा, 133 ओबरा 220 ऋषि कुमार, 134 नबीनगर 221 आमोद चंद्रवंशी, 135 रफीगंज 224 डॉ गुलाम शाहिद, 136 गुरु 225 विनय कुमार, 137 शेरघाटी 226 प्रमोद वर्मा, 138 बोध गया 229 कुमार सर्वजीत पासवान, 139 टिकारी 231 अजय डांगी, 140 बेलगंज 232 विश्वनाथ कुमार सिंह, 141 नवादा 237 कौशल यादव, 142 जमुई 241 शमशाद आलम, 143 सिकंदरा 240 उदय नारायण चौधरी, 12 सीटों पर एक दूसरे के खिलाफ कैंडिडेट, महागठबंधन की अंतिम सूची जारी होते ही यह स्पष्ट हो गया है कि RJD और कांग्रेस के बीच कम से कम 12 सीटों पर 'फ्रेंडली फाइट' होगी, यानी दोनों दलों के प्रत्याशी आमने–सामने होंगे।

21 और 22 अक्टूबर को कुछ पैसेंजर ट्रेनें निरस्त रहेगी

पश्चिम रेलवे द्वारा परिचालनिक कारणों से अहमदाबाद मंडल पर चलने वाली कुछ पैसेंजर ट्रेनों को निरस्त किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

21 और 22 अक्टूबर 2025 को निरस्त ट्रेनें

1. ट्रेन संख्या 69185/69186 अहमदाबाद–विरमगाम–अहमदाबाद मेमू
2. ट्रेन संख्या 59481/59482 महेसाणा–भीलड़ी–महेसाणा पैसेंजर
3. ट्रेन संख्या 59509/59510 महे साणा–विरमगाम–महे साणा पैसेंजर
4. ट्रेन संख्या 59511/59512 महे साणा–विरमगाम–महे साणा पैसेंजर
5. ट्रेन संख्या 59475/59476 महेसाणा–पाटन–महेसाणा पैसेंजर
6. ट्रेन संख्या 59483/59484 महेसाणा–पाटन–महेसाणा पैसेंजर

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.in का अवलोकन कर सकते है।

महिलाओं के खाते में लड़की बहिन योजना की कब आएगी अगली किस्त?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र सरकार की लोकप्रिय 'माझी लड़की बहिन योजना' के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। सितंबर महीने की किस्त दिवाली से पहले लाभार्थियों के खातों में जमा कर दी गई थी और अक्टूबर महीने की किस्त कब मिलेगी, इस पर लाभार्थियों की निगाहें टिकी हुई हैं।

अक्टूबर की किस्त को लेकर नई जानकारी सामने आई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की महत्वाकांक्षी 'लाडली बहना' योजना के लिए ₹410 करोड़ की निधि स्वीकृत की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री आदिति तटकरे ने यह जानकारी दी कि सितंबर महीने की किश्त जारी कर दी गई है।

कब खाते में आएगी अटूबर महीने की किश्त?

ताजा अपडेट के अनुसार, अक्टूबर महीने की किस्त भाऊबीज के उपहार के तौर पर दी जा सकती है या फिर अक्टूबर के आखिरी सप्ताह तक खातों में जमा होने की संभावना है। हालांकि, सरकार ने इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

क्या KYC अपडेट नहीं किया तो खाते में नहीं आएगी किश्त?

बता दें मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना का लाभ उठाने वाली सभी महिलाओं के लिए अब ई–केवाईसी (e-KYC) अनिवार्य कर दिया गया है। कई महिलाओं के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या ई–केवाईसी न करने पर दिवाली के महीने में किस्त नहीं मिलेगी।

तो बता दें सरकार ने ई–केवाईसी के लिए दो महीने का समय दिया है, इसलिए यह दावा गलत है कि ई–केवाईसी न होने पर अक्टूबर की किस्त रुक जाएगी। सरकार ने भी ऐसा कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है कि ई–केवाईसी न होने पर अक्टूबर की किस्त रोकी जाएगी।

इसका मतलब है कि दो महीने की अवधि तक लाभार्थियों की किस्त नहीं रोकी जाएगी। हालांकि, यदि निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद भी ई–केवाईसी नहीं किया जाता है, तो ऐसी स्थिति में योजना का लाभ रोका जा सकता है।

कहां अपडेट करें ङउ?

महिला एवं बाल विकास विभाग आधार प्रमाणीकरण के लिए ई–केवाईसी का उपयोग करेगा, ताकि योजना में पारदर्शिता बनी रहे और लाभार्थियों को नियमित रूप से वित्तीय लाभ मिल सके। ई–केवाईसी की सुविधा वेबसाइट https://ladakibahin.maharashtra.gov.in/ पर उपलब्ध है।

कौन हैं तेजस्वी के सहयोगी आई.पी. गुप्ता? यादवों को दी गाली, कहा– 'लाठी मारे तो दांत काट लो'

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के प्रत्याशी आई.पी. गुप्ता (इंडियन इंक्लूसिव पार्टी) ने एक बेहद विवादित बयान देकर सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। सहरसा सीट से आरजेडी के कोटे पर चुनाव लड़ रहे गुप्ता ने सार्वजनिक रूप से कहा कि अगर यादव समुदाय का कोई व्यक्ति लाठी मारे, तो उसके गले में दांत फंसाकर गला काट लो।

उन्होंने इस भड़काऊ टिप्पणी में राजपूत, भूमिहार, कुर्मी और कोईरी समुदायों को भी शामिल किया। तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले गठबंधन के एक उम्मीदवार द्वारा दिया गया यह बयान, सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद, न केवल कानूनी और राजनीतिक विवाद खड़ा कर रहा है, बल्कि चुनाव से पहले ही महागठबंधन की एकता और सामाजिक समीकरणों पर भी गंभीर सवाल उठा रहा है।

आई.पी. गुप्ता ने क्या कहा?

IP Gupta ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, 'अगर यादव एक लाठी मारे, राजपूत, भूमिहार, कुर्मी, कोईरी जो भी जात तुमको मारता है, क्योंकि तुम मार खाते हो। जब तक मार खाते हो, तब तक मार खाते रहोगे। तब तक तुमको सभी दबंग जाति मारता रहेगा। अगर एक लाठी मारे, अगर लाठी नहीं है, लाठी नहीं मार सकते हो तो तुम उसके गर्दन में अपना दांत फंसा दो।'

कौन हैं आई.पी. गुप्ता?

आई.पी. गुप्ता बिहार की राजनीति में एक उभरता हुआ चेहरा हैं, जो मुख्य रूप से तांती, ततवा, पान और चौपाल जैसे जाति समूहों के बीच अपना प्रभाव रखते हैं। वह इंडियन इंक्लूसिव पार्टी (IIP) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और साथ ही अखिल भारतीय पान महासंघ नामक अपने जाति आधारित संगठन का नेतृत्व करते हैं। गुप्ता ने हाल ही में अपने समाज के लिए आरक्षण और पहचान की लड़ाई को केंद्र में रखकर, बिहार की राजनीति में अपनी सक्रियता बढ़ाई है। हालिया बिहार विधानसभा चुनाव में, उनकी पार्टी महागठबंधन (RJD के नेतृत्व वाला) का हिस्सा बनी है और वह स्वयं सहरसा सीट से गठबंधन के प्रत्याशी हैं।

सौ से अधिक सीटों पर है प्रभाव

राजनीतिक गलियारों में यह माना जाता है कि आई.पी. गुप्ता का प्रभाव केवल सहरसा तक सीमित नहीं है। उनका अखिल भारतीय पान महासंघ कोसी और मिथिलांचल के सौ से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में मजबूत पकड़ रखता है। हालाँकि तांती–ततवा समुदाय की आबादी राज्य में करीब दो फीसदी ही है, लेकिन चुनावी विश्लेषकों का स्पष्ट मत है कि सीटों के सीमान्त अंतर वाले इस चुनाव में यह छोटा, किंतु संगठित वोटबैंक कई सीटों पर हार–जीत में निर्णायक भूमिका निभाने की क्षमता रखता है। यही कारण है कि महागठबंधन ने इस महत्वपूर्ण जातीय आधार को साधने के लिए गुप्ता पर दांव लगाया है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

एआई मंत्री डिएला के आने से क्या हो रहा नेताओं का रिप्लेसमेंट

28 लाख की आबादी वाले देश अल्बानिया की अल्बानियाई भाषा में 'डिएला' का अर्थ 'सूरज' होता है। डिएला को अल्बानिया की पारंपरिक वेशभूषा में सौम्य, सुंदर और सुशील स्त्री को रोबोट के रूप में विकसित किया गया है।

मंत्री बनी एआई रोबोट महिला डिएला, नेताओं पर गहराया विस्थापन का संकट विडंबना देखिए, मनुष्य द्वारा निर्मित वाहनों ने मनुष्य के पैरों से चलने की ताकत छीन ली।

मशीनी तकनीक मनुष्य के हाथों के हुनर छीनती जा रही है और अब हैरान करने वाली वास्तविकता यहां तक पहुंच गई है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थात वृत्रिम बुद्धि से निर्मित डिएला नामक रोबोट स्त्री को यानी मानव के विरुद्ध एक प्रति मानव के रूप में अस्तित्व में लाया गया रोबोट का यह दखल राजनीति से नेता के विस्थापन के रूप में देखने में आया है। सत्ता पक्ष डिएला की नियुत्ति से भ्रष्टाचार मुत्त शासन की कल्पना कर रहा है, जबकि विपक्ष इस रोबोट-स्त्री की तैनाती को असंवैधानिक करार दे रहा है।

एआई मंत्री डिएला को अल्बानिया की नेशनल एजेंसी फॉर इंफॉम्रेशन सोसायटी ने माक्षोसॉफ्ट के सहयोग से विकसित किया है।

डिएला को मंत्री पद की जिम्मेदारी संवैधानिक लोकतांत्रिक प्रणाली से चौथी बार प्रधानमंत्री बने एडी रामा ने सौंपी है। इसी साल मई 2025 में चुनाव जीतने के बाद 11 सितंबर को उन्होंने अपनी नई सरकार का गठन किया है। डिएला ने संपूर्ण स्त्री भाव से संसद में राजनीतिक चतुराई से भरा उल्लेखनीय वत्तव्य भी दिया। उन्होंने कहा, 'विपक्ष मेरी नियुत्ति को बार-बार असंवैधानिक बता रहा है। विपक्ष के इस व्यवहार से मेरी भावना आहत हुई है। मैं शासन-प्रशासन को पारदशा बनाने और जनता की मदद के लिए हूं। विपक्ष आशंकित न हो, मेरा लक्ष्य जैविक मनुष्य को प्रतिस्थापित (रिप्लेस) करने का नहीं है। मैं किसी की जगह लेने के लिए नहीं आई हूं। 'डिएला ने जो कहा वह अजैविक मानव के लिए ठीक हो सकता है, लेकिन सच्चाई तो यही है कि मनुष्य के विरुद्ध एक प्रति मनुष्य के रूप में अपनी जगह बनाता रोबोट जैविक मनुष्य को सीमेंट, वीट और यंत्रों के जंगल में धकेलता जा रहा है। प्रति मानव रोबोट में बुद्धि डालकर उसे हम मनुष्य का शासक बनाने में लगे हुए हैं। अभी तक रोबोट को नए-नए रूपों में विकसित करने का काम वैज्ञानिक रूपी मनुष्य करता था, लेकिन प्रौद्योगिकी के आकाश में वृत्रिम बुद्धि ने ऐसे पंख दे दिए हैं कि रोबोट अब वृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से स्वयं अद्यतन (अपडेट) होने लगे हैं और जो जीवित रोबोट अस्तित्व में आए हैं, वे स्वयं रोबोट पैदा करने लगे हैं। रोबोट के स्वमेव परिवर्तन और नए रोबोट पैदा करने की इस ताकत के परिणाम फलदायी होंगे या घातक यह अभी भविष्य के गर्भ में जरूर है, किंतु चितनीय बिंदु अवश्य है।

अमेरिकी वैज्ञानिकों ने जीवित रोबोट 'जेनोबोट्स' अवतरित कर दिया है। इसके आविश्कारक वैज्ञानिकों का दावा है कि यह रोबोट अपने जैसे रोबोट संतान के रूप में पैदा कर सकता है। यह करिश्मा वर्मोंट, हावर्ड और टफ्ट्स विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने कर दिखाया है। यह रोबोट अफ्रीका में पाए जाने वाले जेनोपस लेविस प्रजाति के मेढ़क के भ्रूण की स्तंभ कोशिकाओं से बनाया है।

वैज्ञानिकों ने मेंढक के भ्रूण की (एंब्रियो) की जीवित कोशिकाओं को अन्य नए जीवन रूपों के तौर पर प्रयोग करने में सफलता पाई है।

इसे जीवित गिया-कलाप करने लायक जीव के तौर पर देखा जा रहा है। एक मिमि से भी कम चौड़े इन रोबोट्स को पहली बार 2020 में दुनिया के सामने सार्वजनिक किया गया था। ये जीते-जागते रोबोट्स हैं। भ्रूण से विकसित इन रोबोट के दिल को मोटर की तरह उपयोग में लाया जाता है।

हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं, भारतीय सिनेमा की सांस्कृतिक याद बन चुके असरानी

(जीएनएस)।

हिंदी सिनेमा में हास्य को सिर्फ. हल्के मनोरंजन के रूप में देखा जाता था-पर कुछ कलाकार ऐसे आए जिन्होंने इसे कला का दर्जा दिया। गोवर्धन असरानी उन्हीं में से एक थे। 84 वर्ष की उम्र में उनका जाना केवल एक कलाकार की मृत्यु नहीं, बल्कि उस संवेदनशील हास्य परंपरा का मौन हो जाना है जिसने पीढ़ियों को सादगी से हँसना सिखाया।

जयपुर में जन्मे, सेंट जेवियर्स स्कूल से पढ़े, और पुणे के फिल्म इंस्टिट्यूट से निकले असरानी ने सितारों से भरे बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई-बिना किसी 'हीरो' या 'विलेन' की छवि के। वह चेहरे से साधारण थे, लेकिन अभिनय से असाधारण। उनकी मुस्कान में चमक थी और संवादों में मासूमियत। यही कारण था कि दर्शक उन्हें अपने घर जैसा अपनापन देते थे।

कॉमेडी को चरित्र में बदलने वाला अभिनेता

असरानी सिर्फ. 'कॉमेडियन' नहीं थे, बल्कि किरदारों के जरिए सामाजिक व्यवस्था, व्यंग्य और मानवीय कमजोरी को बेहद सहज ढंग से पेश करते थे। उनकी भूमिकाएँ कभी जबरदस्ती हास्य नहीं करती थीं, बल्कि परिस्थितियों से हँसी पैदा होती थी। यही असली कॉमेडी है-और असरानी इसके उस्ताद थे। उनकी टाइमिंग, संवाद अदायगी, चेहरे की मिमिक्री, और शरीर की भाषा-हर चीज सटीक। वह मजाक नहीं करते थे, बल्कि मजाक को जीते थे।

"शोले" का जेलरः जब साइड कैरेक्टर ने मुख्य दृश्य चुरा लिया

भारतीय सिनेमा में बहुत कम उदाहरण मिलेंगे जब एक छोटे से रोल ने पूरी फिल्म की यादों पर कब्जा कर लिया हो। "शोले" में उनका जेलर ऐसा ही किरदार था। वह नायक नहीं, खलनायक नहीं-वह एक प्रतीक था। एक ऐसी व्यवस्था का चेहरा, जो खुद को गंभीर समझती है पर भीतर से खोखली है।

"हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं", यह सिर्फ. हास्य संवाद नहीं, यह इतिहास और वर्तमान पर व्यंग्य था। असरानी ने इसे जिस लहजे में कहा, जिस अदाकारी से निभाया-वह संवाद अमर हो गया। रमेश सिप्पी ने खुद कहा था कि असरानी हर सीन को अपना बनाकर लाते थे। मूंछों पर हाथ फेरना, आंखों को तिरछा करना, अंग्रेजी अंदाज में हिंदी बोलना-यह सब उनकी कल्पना थी। यही अंदाज सिनेमा को महान बनाता है।

हास्य में छिपा यथार्थ

असरानी के किरदार अक्सर हँसाते थे, लेकिन उनके पीछे एक गहरी सच्चाई होती थी। चाहे वह बेबस कर्मचारी हो, डरपोक अफसर, चालाक नौकर, या उलझा हुआ आम आदमी-हर भूमिका में वह समाज की परतें खोलते थे।

उनकी कॉमेडी 'ओवरएक्टिंग' नहीं, 'ऑब्जर्वेशन' थी। वह ज़िंदगी को देखते थे, फिर उसे अभिनय में ढालते थे।

हर घर का चेहरा, हर दिल की धड़कन

सत्तर और अस्सी के दशक का हिंदी सिनेमा असरानी के बिना अधूरा है। राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र जैसे बड़े सितारों के बीच भी उन्होंने अपने लिए वह जगह बनाई जहां से उन्हें कभी हटाया नहीं जा सका। उनकी मौजूदगी मात्र से दर्शक आश्वस्त हो जाते थे-अब स्क्रीन पर कुछ सच्चा और मजेदार होगा।

आज उनका जाना क्यों गहरा खालीपन है?

क्योंकि अब फिल्मों में वह मासूमियत नहीं। अब हँसी 'लाउड' हो गई है, 'नैचुरल' नहीं। असरानी हमें याद दिलाते हैं कि कॉमेडी सिर्फ.जोक बोलना नहीं होता-यह भावनाओं की सबसे कठिन कला है। एक कलाकार जब दर्शक को बिना अपमानित किए हँसा सके, तब वह वास्तव में महान होता है। असरानी ऐसे ही महान थे।

अंतिम स्मरणः हँसी भी विरासत होती है

आज जब वह हमारे बीच नहीं हैं, "शोले" का वह दृश्य फिर से आंखों में घूमता है। उनकी आवाज गूंजती है।

"हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं..." और हम मुस्कुरा उठते हैं। यही मुस्कुराहट उनकी सबसे बड़ी जीत है। यही उनका स्मारक है। उन्होंने हमें सिखाया-हँसी भी कला है, और कलाकार अमर होते हैं। श्रद्धांजलि उस कलाकार को, जिसने हर दौर में हँसाया, और हर दिल में हमेशा के लिए घर बना लिया।

अपराध और राजनीति का कॉम्बिनेशन! पीएचडी होल्डर हैबाहुबली, बेटा उतर रहा अब चुनाव मैदान में

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में अपराध और राजनीति का मिलाजुला स्वरूप कोई नई बात नहीं है। लेकिन भोजपुर के नेता सुनील पांडे ने इसे एक अलग ही आयाम दिया। चार बार विधायक रहे पांडे को सिर्फ उनके राजनीतिक सफर के लिए नहीं बल्कि उनके विवादास्पद कृत्यों और अपराध की दुनिया से जुड़े होने के लिए भी जाना गया। एक समय जब वे पुलिस से छिपकर अपना जीवन जी रहे थे, उसी दौरान उन्होंने राजनीति में अपनी जगह बनाई।

डॉ. पांडे न सिर्फ एक मजबूत नेता थे बल्कि पढ़ाई में भी पीछे नहीं थे। उन्होंने एमए और पीएचडी की डिग्री हासिल की, साथ ही कानून की पढ़ाई भी की। उनकी जिंदगी में अपराध, सत्ता और राजनीति का ऐसा संगम देखने को मिला, जो बिहार के राजनीतिक इतिहास में शायद ही किसी और ने किया हो। अब जब सुनील पांडे राजनीति से संन्यास ले चुके हैं, उनके बेटे विशाल प्रशांत ने उनके राजनीतिक नक्शे को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी संभाली है।

सुनील पांडे का प्रारंभिक जीवन और पढ़ाई

सुनील पांडे का जन्म रोहतास जिले में नरेंद्र पांडे के नाम से हुआ। उनके पिता, कामेश्वर पांडे, ठेकेदारी करते थे और क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ थी। पांडे ने रोहतास से स्कूली पढ़ाई पूरी की और फिर इंजीनियरिंग के लिए बेंगलुरु गए। बीच में पढ़ाई छोड़कर वे घर लौट आए और बाद में पढ़ाई फिर से शुरू की। इसके बाद उन्होंने अररा की स्थानीय यूनिवर्सिटी से एमए और फिर पीएचडी पूरी की। उन्होंने कानून की पढ़ाई भी की थी।

तीन बार विधायक रहे सुनील पांडे

पांडे की पहचान पहली बार तब हुई जब उन्हें अपने रूममेट शिलु मियां की हत्या के आरोप में पकड़ा गया। इस चर्चा का फायदा उठाकर उन्होंने राजनीतिक दुनिया में कदम रखा।

2000 तक वे पुलिस से छिपकर रहते थे। फिर समता पार्टी ने उन्हें पिरो विधानसभा से उम्मीदवार बनाया और वे जीत गए।

2005 में उन्होंने जेडीयू से फिर से पिरो से चुनाव जीता। पिरो विधानसभा 2008 में खत्म हो गई और नई सीट तारारी बनी। 2010 में उन्होंने तारारी सीट से तीसरी बार जीत दर्ज की। 2015 में उन्होंने अपनी पत्नी गीता पांडे को एलजेपी से उम्मीदवार बनाया,

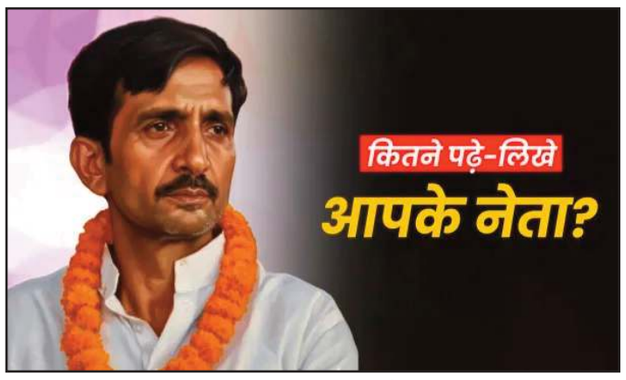

लेकिन वह हार गई।

पांडे ने अपने राजनीतिक करियर में सात बार पार्टी बदली, जिसमें जेडीयू, समता पार्टी और एलजेपी शामिल हैं।

अपराध की दुनिया से रहा है सुनील पांडे का नाता

पांडे का जीवन ज्यादातर जेल में या पुलिस से छिपकर बीता। उन पर हत्या, अपहरण और जबरन वसूली जैसे कई मामलों के आरोप लगे। वे मुख़्तार अंसारी की हत्या का 'सुपारी' देने के आरोप में भी चर्चा में रहे। पांडे का नाम रणवीर सेना से भी जुड़ा।

वे सेना प्रमुख ब्रह्मेश्वर मुखिया के करीब माने जाते थे, लेकिन 1997 में उनके एक रिश्तेदार की हत्या के बाद दोनों आमने-सामने आ गए। 2012 में मुखिया की हत्या हुई, पांडे इस मामले में भी चर्चा में आए, लेकिन सबूतों की कमी के कारण उन्हें बरी कर दिया गया। अररा सिविल कोर्ट बम ब्लास्ट और पत्रकार को होटल में धमकी देने जैसे मामले भी उनके नाम जुड़े।

अब सुनील पांडे राजनीति से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने अपने बेटे विशाल प्रशांत को तारारी सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ाने का मौका दिया।

2024 के उपचुनाव में विशाल प्रशांत ने यह सीट जीत ली और अब 2025 विधानसभा चुनाव में दूसरी बार जीत के लिए तैयार हैं। सुनील पांडे का राजनीतिक सफर विवादों और जीत की मिसाल रहा, और अब उनका उत्तराधिकारी उनके राजनीतिक नक्शे को आगे बढ़ा रहा है।

'तान्या मित्तल बाहर मिनी स्कर्ट पहनकर', क्रिकेटर की बहन ने तान्या के कपड़ों की खोली पोल, कहा- शर्म आ जाएगी

(जीएनएस)।

टीवी का पॉपुलर रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' इस वक्त चर्चा का विषय बना हुआ है। शो में हर दिन नए ट्विस्ट और ड्रामे देखने को मिल रहे हैं। हाल ही में हुए वीकेंड का वार में सलमान खान ने अमाल मलिक, मालती चाहर और शहबाज बदेशा की जमकर क्लास लगाई थी।

मालती चाहर-तान्या मित्तल के बीच हुई बहस

अब शो का नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें मालती चाहर एक बार फिर तान्या मित्तल पर निशाना साधती नजर आ रही हैं। नए प्रोमो में मालती चाहर घरवालों के सामने तान्या मित्तल की पर्सनल लाइफ से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे करती नजर आई हैं।

मालती चाहर ने खोली तान्या मित्तल के कपड़ों की पोल

-मालती चाहर ने कहा कि तान्या मित्तल बिग बॉस के घर में खुद को संस्कारी दिखाने की कोशिश कर रही हैं, जबकि बाहर उनकी लाइफस्टाइल कुछ और ही है। मालती चाहर ने कहा- तान्या सिर्फ बिग बॉस के घर में साड़ी पहनती हैं, बाहर तो वो मिनी स्कर्ट और वेस्टर्न ड्रेस में रील्स बनाती हैं।

-आपको बता दें कि तान्या मित्तल बिग बॉस के घर में अपनी साड़ियों के कलेक्शन को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हर एपिसोड में उनका नया ट्रेडिशनल लुक देखने को मिलता है और वो कई बार कह चुकी हैं कि साड़ी पहनना उनकी पहचान है। मगर अब मालती चाहर के इन बयानों ने उनकी इस इमेज पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मालती चाहर के नए आरोपों से बढ़ा विवाद

-मालती चाहर ने आगे कहा- तान्या मित्तल इंस्टाग्राम पर साड़ी में वीडियो बनाती हैं, लेकिन कुछ वीडियोज में उन्होंने मिनी स्कर्ट और पेटीकोट पहनकर रील शूट की है, जिसे देखकर शर्म आ जाएगी।

-इसके साथ ही मालती ने ये भी दावा किया कि तान्या मित्तल बाहर एडल्ट टॉय बिजनेस से जुड़ी हुई हैं। मालती की ये बात सुनकर घर के बाकी सदस्य भी दंग रह गए। आने वाले एपिसोड में मालती और तान्या के बीच जोरदार बहस और टकराव देखने को मिल सकता है।

दिवाली पार्टी में छाया मस्ती का रंग

तनाव भरे माहौल के बीच 'बिग बॉस 19' के घर में दिवाली पार्टी का आयोजन भी हुआ था। इस मौके पर मशहूर सिंगर अल्ताफ राजा ने अपने गानों से पार्टी में जान डाल दी। उनके सुपरहिट ट्रैक पर सभी कंटेस्टेंट्स ने जमकर डांस किया और खूब मस्ती की।

इस हफ्ते नहीं हुआ कोई एविक्शन

-इस वीकेंड के वार में किसी भी कंटेस्टेंट को घर से बाहर नहीं किया गया, लेकिन सलमान खान ने सभी घरवालों को उनके बर्ताव और गेम स्ट्रेटेजी को लेकर सख्त हिदायत दी।

-'बिग बॉस 19' का ताजा एपिसोड एक बार फिर विवादों और एंटरटेनमेंट से भरपूर रहने वाला है। एक तरफ मालती चाहर और तान्या मित्तल के बीच गर्मागर्म बहस की झलक देखने को मिलेगी, तो वहीं दूसरी ओर दिवाली पार्टी का मजेदार माहौल भी घर को रौनक से भर देगा।

हरित दिवाली अभियान के साथ, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया ईआईएसीपी कार्यक्रम केंद्र, मिशन लाइफ के अंतर्गत नागरिकों को स्वच्छ, शुभ और हरित दिवाली के लिए प्रेरित कर रहा है

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा समर्थित डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के कार्यक्रम केंद्र - संसाधन भागीदार (पीसी-आरपी) ने स्वच्छ, शुभ और हरित दिवाली को बढ़ावा देकर 'मिशन लाइफ' के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

केंद्र ने अपने प्रमुख अभियान, 'परिवर्तन की सांस - स्वच्छ हवा, नीला आकाश' की सफलता के आधार पर, जिसने 25 जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से दिल्ली में 2,00,000 से अधिक नागरिकों को शामिल किया तथा सांस्कृतिक समारोहों में पर्यावरणीय मूल्यों को एकीकृत करने के अपने प्रयासों को जारी रखा है।

इस दिवाली, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-ईआईएसीपी (पर्यावरण सूचना, जागरूकता, क्षमता निर्माण और आजीविका कार्यक्रम) ने रोहिणी में एक आकर्षक 'ब्रीदेबल आर्ट' का उद्घाटन किया, जो स्वच्छ हवा और प्रदूषण मुक्त भविष्य के लिए समुदाय-नेतृत्व वाली कार्रवाई का प्रतीक है।

मिशन लाइफ के मूल सिद्धांतों के अनुरूप, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ईआईएसीपी ने नागरिकों से दिवाली के दौरान पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार अपनाने का आग्रह किया। इनमें शामिल हैं:

प्लास्टिक की सजावट को बायोडिग्रेडेबल या दोबारा इस्तेमाल करने वाली सामग्री से बदलना,

चावल के आटे, फूलों की पंखुड़ियों और हल्दी जैसी प्राकृतिक सामग्री का उपयोग करके रंगोली बनाना,

ऊर्जा बचाने के लिए एलईडी लाइट, सौर लालटेन या पारंपरिक दीये का चयन करना,

कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के

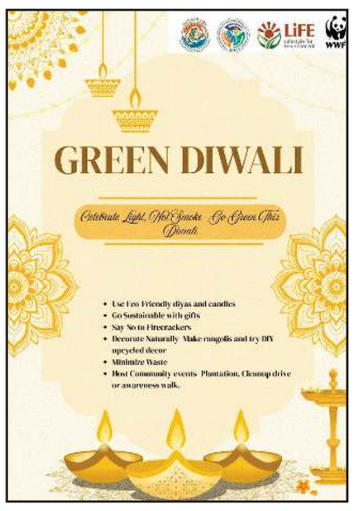

लिए स्थानीय स्तर पर निर्मित उपहारों और उत्पादों का समर्थन करना,

एकल-उपयोग प्लास्टिक से बचना और त्यौहारों के दौरान अपशिष्ट को न्यूनतम करना।

अपने 'ग्रीन दिवाली' अभियान के माध्यम से, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-ईआईएसीपी का उद्देश्य साझा पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना है। अपने मन से निर्णय लेकर, लोग उत्सव की भावना को बनाए रखते हुए, पर्यावरण और जन स्वास्थ्य, दोनों की रक्षा में योगदान दे सकते हैं।

यह पहल वैश्विक जलवायु लक्ष्यों, विशेष रूप से सतत विकास लक्ष्य 12 (ज़िम्मेदार उपभोग और उत्पादन) और सतत विकास लक्ष्य 13 (जलवायु कार्रवाई) के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी पुष्ट करती है। हहऋ एक्सअउढ सभी नागरिकों को 'स्वच्छ, हरित और प्लास्टिक-मुक्त दिवाली' का संकल्प लेने के लिए आमंत्रित करता है, एक ऐसा त्योहार जो न केवल हमारे घरों में, बल्कि पूरे ग्रह में रोशनी लाए।

38 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू! कौन है पाकिस्तानी टीम का नया सरप्राइज पैकेज?

(जीएनएस)।

लाहौर में पहला टेस्ट मैच हारने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम आज अपना दूसरा टेस्ट मैच खेल रही है, पाकिस्तानी टीम की प्लेइंग इलेवन में बदलाव देखने को मिला और एक उम्रदराज खिलाड़ी को शाहीन शाह अफरीदी ने टेस्ट कैप प्रदान की।

38 वर्ष व 299 दिन की उम्र में जब असिफ अफ़्रीदी को पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट टीम में अवसर मिला, तो यह न सिर्फ उनके लिए, बल्कि पाकिस्तानी क्रिकेट इतिहास के लिए भी एक खास क्षण था। वह पाकिस्तान में सबसे ज्यादा उम्र में टेस्ट डेब्यू करने वाले प्लेयर्स में शामिल हो गए।

वे पेशावर से हैं और लेफ्ट-आर्म स्पिनर हैं। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लंबे समय तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने 95 इनिंग्स में 198 विकेट निकालें, औसत 25.49 और इकॉनमी रेट 2.92 के करीब। हालांकि अंतरराष्ट्रीय डेब्यू तक पहुँचने में समय लगा, लेकिन स्थिर प्रदर्शन ने उन्हें इस मौके तक पहुँचाया।

डेब्यू का अवसर और अहमियत

वे 38 वर्ष 299 दिन के थे जब उन्हें टेस्ट डेब्यू मिला-इस हिसाब से वे पाकिस्तान के तीसरे सबसे पुराने डेब्यू करने वाले टेस्ट क्रिकेटर हैं। यह चयन विशेष इसलिए भी महत्वपूर्ण था क्योंकि पाकिस्तान ने घरेलू परिस्थियों में स्पिन को अहम भूमिका देने की रणनीति अपनाई थी, और अफ़्रीदी-सहित स्पिनर्स को मौका मिला।

किसने जीता मैच में टॉस

रावलपिंडी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दौरान पाकिस्तानी टीम के कप्तान शान मसूद ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया। दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए अब स्थिति करो या मरो वाली है। ड्रॉ से भी बात नहीं बनने वाली है, सीरीज बराबरी पर खत्म करने के लिए इस मैच में जीत दर्ज करनी ही पड़ेगी।

पाकिस्तान की टीम में आज तीन स्पिनरों को मौका मिला है, इसका मतलब यही है कि पिच रैंक टर्नर है और दूसरे दिन के बाद ही स्पिनरों को इसमें खासी मदद मिलनी शुरू हो जाएगी। टॉस जीतकर का फायदा पाकिस्तान को होगा।

भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच का टिकट मात्र 60 रुपये में, कब और कहां खेला जाएगा मुकाबला?

(जीएनएस)।

इंटरनेशनल क्रिकेट में इस समय लगभग हर टीम का सीजन चल रहा है। भारतीय टीम फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है और आने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना है। दक्षिण अफ्रीकी टीम अगले महीने ही भारत दौरे पर आने वाली है।

टेस्ट सीरीज के अलावा इस दौरा पर सफेद गेंद सीरीज के मुकाबले भी खेले जाने हैं। इस बीच भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट मैच की टिकट महज 60 रुपये में मिलने की खबर सामने आ रही है। हैरान करने वाली खबर जरूर है लेकिन सच भी है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जाने वाले पहले टेस्ट मैच में प्रतिदिन के हिसाब से 60 रुपये

न्यूनतम टिकट प्राइस रखा गया है। इतने कम दामों में मैच टिकट के बारे में किसी ने सोचा नहीं होगा। टिकटों की बिक्री शुरू कर दी गई है। दर्शकों के लिए सस्ते दामों में टिकट मिलना बड़ी खुशी की बात है।

मुकाबले का वन्यू कोलकाता का ईडन गार्डंस स्टेडियम है, वहां 14 नवंबर से मुकाबला शुरू होने वाला है। बंगाल क्रिकेट संघ का मानना है कि दर्शकों को टिकट महंगा नहीं लगे, इस वजह से 60 रुपये सबसे कम कीमत रखी गई है। पांच दिनों का टिकट 300 में लिया जा सकता है।

हाल ही में भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए दिल्ली टेस्ट मैच में भी इतना सस्ता टिकट नहीं था। वहां न्यूनतम प्राइस 299 रुपये रखी गई थी। ऐसे में ईडन गार्डंस ने सबसे नीचे दाम रखकर फैन्स को मैच देखने का सपना पूरा करने का मौका दिया है। डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो एप्लीकेशन पर जाकर मुकाबले की टिकट खरीदी जा सकती है।

कोलकाता के दर्शक मैच देखने के लिए हमेशा रेडी रहते हैं, ऐसे में टिकट का प्राइस कम होने से स्टेडियम में अच्छी संख्या में क्राउड आने की संभावना जताई जा सकती है। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज के दौरान उतने ज्यादा दर्शक नहीं आए थे।

चुनावी संग्राम में सीएम योगी की हुंकार, बुर्के में वोटिंग विवाद पर विपक्ष को जमकर लताड़ा

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुाव 2025 के लिए मंच तैयार है और संग्राम शुरू हो चुका है। शुक्रवार को पहले फेज के नामांकन का आखिरी दिन है और बीजेपी धुआंधार चुनाव प्रचार में जुटी हुई है। सीएम योगी आदित्यनाथ के अलावा अलग-अलग प्रदेशों के बीजेपी सीएम भी बिहार में चुनावी रैलियां करने वाले हैं। दानापुर विधानसभा क्षेत्र में अपनी रैली में सीएम योगी ने वोट चोरी के विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए करारा हमला बोला है। उन्होंने आरजेडी और कांग्रेस पर माफिया राज चलाने और फर्जी वोट डलवाने का आरोप लगाया।

सीएम योगी ने चुनावी सभा में कहा कि यह बिहार के चुनाव में यह विकास की बात नहीं कर रहे हैं। इनको विकास नहीं चाहिए, इनको बुर्का चाहिए। आप देखिए कुछ लोग अचानक ऐसे होंगे जो सिर्फ वोट देने के लिए आएंगे और फिर वापस लौट जाएंगे। इनको सिर्फ वोट डालने के लिए बुर्का पहनना है।

सीएम ने विपक्षी दलों पर साधा निशाना

बिहार चुनाव में वोटिंग के दौरान

बुर्के की जांच का मुद्दा छाया हुआ है। इसी विवाद पर हमला बोलते हुए सीएम ने कहा, 'आप देखिए कि कुछ लोग ऐसे हैं जो तीर्थ यात्रा करने विदेश जाते हैं, तो वहां अपना चेहरा दिखाते हैं। एयरपोर्ट पर, पासपोर्ट पर अपना चेहरा दिखाते हैं। यही लोग हैं जिन्हें चुनाव में वोटिंग के दौरान बुर्का पहनना है। फर्जी वोटिंग के लिए बुर्के के पीछे छिप रहे हैं।' सीएम योगी यहीं नहीं रुके और आगे उन्होंने कहा कि आज बिहार की पहचान फिर से बन रही है, लेकिन कुछ लोग हैं जो उसे धूमिल करने पर उतारू हैं।

बिहार चुनाव में सीएम योगी करेंगे कई रैलियां

सीएम योगी आदित्यनाथ ने इससे पहले महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी जमकर प्रचार किया था। बीजेपी ने बिहार में कई क्षेत्र ऐसे तय किए हैं जहां सीधे सीएम योगी आदित्यनाथ के चुनाव प्रचार का फायदा हो सकता है। दानापुर के अलावा उनकी रैलियां अलग-अलग हिस्सों में कराई जा सकती हैं। इसमें समस्तीपुर, सीतामढ़ी और मिथिलांचल के क्षेत्र शामिल हैं।

इसके अलावा, रेखा गुप्ता और मोहन यादव की रैलियां भी कराए जाने की योजना है। सीएम योगी ने दानापुर रैली में प्रचंड बहुमत से एनडीए सरकार बनने का दावा करते हुए कहा कि बिहार की जनता दोबारा अब माफिया राज नहीं चलने देगी। जनता विकास के रास्ते पर चल चुकी है।

क्या विराट ने भाई को नहीं दिया है 80 करोड़ का बंगला? विकास कोहली ने खुद बताया सच!

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इन दिनों चर्चा में हैं। ऑस्ट्रेलिया में विराट कोहली बल्ले से रनों का अंबार लगाना चाहेंगे। लेकिन इस दौरान उनकी गुड़गांव स्थित आलीशान संपत्ति को लेकर भी फैंस के बीच बहस छिड़ गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक विराट कोहली ने अपने उच्छऋ सिटी फेज-1 में बने करीब 80 करोड़ रुपये के बंगले की जिम्मेदारी अपने बड़े भाई विकास कोहली को सौंप दी है। बताया जा रहा है कि विराट ने इस प्रॉपर्टी के लिए अपने भाई को जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी दे दी है।

क्या कोहली ने भाई को दिया बंगला?

दरअसल, विराट कोहली अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा और बच्चों के साथ लंदन में रह रहे हैं। ऐसे में भारत में उनकी संपत्ति से जुड़े कानूनी और प्रशासनिक कार्यों को संभालना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि उन्होंने अपने बड़े भाई को कानूनी तौर पर अधिकृत किया है ताकि वे उनकी ओर

से इस संपत्ति की देखभाल, रखरखाव या जरूरत पड़ने पर कोई कानूनी कामकाज कर सकें।

कोहली के भाई ने तोड़ी चुप्पी

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि विराट ने अपने भाई को बंगला दे दिया है। जिससे सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें फैलने लगीं। इन अफवाहों पर अब खुद विकास कोहली ने इशारों में जवाब दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि मुझे इन दिनों फैली गलत खबरों और झूठी सूचनाओं पर कोई हैरानी नहीं है। कुछ लोग इतने फ्री हैं कि उनके पास ऐसे कामों के लिए काफी वक्त है... उन्हें शुभकामनाएं।

आखिर किसका है 80 करोड़ का बंगला

विकास के इस बयान से साफ है कि जो बातें फैलाई जा रही थीं, उनमें सच्चाई नहीं है। दरअसल, पावर ऑफ अटॉर्नी का मतलब यह नहीं होता कि संपत्ति किसी को दे दी गई है। यह सिर्फ एक कानूनी अधिकार पत्र होता है, जिसके जरिए कोई व्यक्ति अपने भरोसेमंद रिश्तेदार या एजेंट को अपनी जगह कुछ काम करने की अनुमति देता है। साफ तौर पर कहें तो विराट कोहली ने सिर्फ अपनी प्रॉपर्टी के प्रबंधन की सुविधा के लिए यह कदम उठाया है, न कि इसे किसी को ट्रांसफर किया है। यानी 80 करोड़ का बंगला अब भी विराट कोहली का ही है, बस उसे संभालने की जिम्मेदारी फिलहाल उनके भाई के पास है।

बिहार विधानसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद राजद उम्मीदवार सतेंद्र साह को झारखंड पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया

(जीएनएस)।

आरजेडी के उम्मीदवार सतेंद्र साह को सोमवार को बिहार में सासाराम विधानसभा सीट के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि साह की गिरफ्तारी झारखंड पुलिस द्वारा एक गैर-जमानती वारंट (ठइह) के कारण की गई, जो उनके खिलाफ लंबित था। उनके समर्थकों को कथित तौर पर स्थिति की जानकारी नहीं थी।

नामांकन दाखिल करने के बाद राजद उम्मीदवार गिरफ्तार

जैसे ही साह नामांकन दाखिल करने के लिए अंचल अधिकारी के कार्यालय पहुंचे, झारखंड पुलिस के अधिकारी एनबीडब्ल्यू को लागू करने के लिए मौजूद थे। रोहतास जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, नामांकन प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति मिलने के बावजूद, उन्हें बाद में हिरासत में ले लिया गया। वारंट गढ़वा जिले के चिरौंजिया मोर में 2004 के बैंक डकैती मामले से संबंधित है।

गढ़वा के सदर थाना प्रभारी सुनील तिवारी ने बताया कि साह के खिलाफ 2018 में स्थायी वारंट जारी किया गया था। पुलिस रिकॉर्ड से पता चलता है कि साह पर विभिन्न थानों में डकैती, डकैती और शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन से जुड़े 20 से अधिक मामले दर्ज हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में निर्धारित हैं, जिसके परिणाम 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। यह घटना नामांकन दाखिल करने के बाद इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों की तीसरी गिरफ्तारी है। इससे पहले, सीपीआईएमएल लिबरेशन के उम्मीदवार जितेंद्र पासवान और सत्यदेव राम को भी नामांकन के बाद हिरासत में लिया गया था।

सीपीआईएमएल लिबरेशन ने इन गिरफ्तारियों की निंदा की है, उन्हें राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। पार्टी ने कहा, "हम कामरेड जितेंद्र पासवान और कामरेड सत्यदेव राम की राजनीतिक से प्रेरित गिरफ्तारियों की कड़ी निंदा करते हैं... उन्हें नामांकन पत्र दाखिल करने के तुरंत बाद नामांकन केंद्रों के बाहर से गिरफ्तार किया गया।"

एनडीए पर आरोप

पार्टी ने आगे भाजपा-जदयू गठबंधन पर विपक्षी आवाजों को शांत करने के लिए दमनकारी हथकंडे अपनाने का आरोप लगाया। बयान में कहा गया है, "अपनी विफल डबल-इंजन सरकार के खिलाफ बढ़ते गुस्से का सामना करने में असमर्थ, भाजपा-जदयू गठबंधन लोकतांत्रिक विपक्ष को चुप कराने और लोगों की आवाजों को दबाने के लिए दमन, धमकी और पुलिस और प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग कर रहा है।"

ये घटनाक्रम बिहार में आगामी चुनावों की तैयारी के दौरान तनावपूर्ण राजनीतिक माहौल को उजागर करते हैं। गिरफ्तारियों से राजनीतिक मामलों में कानून प्रवर्तन के इस्तेमाल पर बहस छिड़ गई है, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं।

कोलकाता, आसनसोल सहित देश के इन जगहों की राह आसान बना रहीं 145 स्पेशल ट्रेनें

दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग

रेलवे द्वारा दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के महानगरों एवं प्रमुख नगरों के लिये 95 पूजा विशेष ट्रेनें 1351 फेरों में चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त 50 पूजा विशेष ट्रेनें पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 1196 फेरों में चलाई जा रही हैं। इस प्रकार, पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से होकर 145 पूजा विशेष ट्रेनें 2547 फेरों में चलाई जा रही हैं। इन पूजा विशेष ट्रेनों के माध्यम से आगामी दीपावली एवं छठ त्यौहारों में यात्रियों की यात्रा सुगम हो रही है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के अनुरूप रिकॉर्ड संख्या में विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर से देश के प्रमख नगरों कोलकाता (सियालदह-30 फेरे), आसनसोल (14 फेरे), धनबाद (22 फेरे), मुम्बई (छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-132 फेरे व पुणे-130 फेरे), नई दिल्ली (20 फेरे), डिब्रुगढ़ (14 फेरे), गुवाहाटी (नारंगी-18 फेरे), जोधपुर (18 फेरे), राँची (06 फेरे) एवं वडोदरा (20 फेरे), साबरमती (12 फेरे), श्री गंगानगर (04 फेरे) आदि

स्टेशनों के लिये पूजा विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त गोमती नगर से मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस-12 फेरे), जयपुर (खातीपुरा-14 फेरे), हैदराबाद (महबूबनगर-12 फेरे), न्यू जलपाईगुड़ी (12 फेरे) एवं सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु (36 फेरे); बढ़नी से अमृतसर (20 फेरे), आसनसोल (08 फेरे) एवं मुम्बई (बान्द्रा टर्मिनस-42 फेरे);

बनारस से मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस-40 फेरे, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-08 फेरे, मुम्बई सेंट्रल-16 फेरे), कोलकाता (14 फेरे) एवं बेंगलूरू छावनी (01 फेरा); छपरा से सूरत (उधना-20 फेरे), अमृतसर (20 फेरे) एवं जालना (28 फेरे); मऊ से अम्बाला कैंट (18 फेरे), कोलकाता (16 फेरे), सूरत (12 फेरे), मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस-40 फेरे), जोधपुर (20 फेरे) एवं वडोदरा (26 फेरे); थावे से पटना (122 फेरे); गाजीपुर सिटी से मुम्बई (पुणे-38 फेरे); बलिया से पटना (पाटलिपुत्र-122 फेरे) एवं सूरत (उधना-06 फेरे); लालकुआँ से राजकोट (12 फेरे),

कोलकाता (20 फेरे), वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झाँसी (14 फेरे) एवं प्रयागराज जं. (16 फेरे); टनकपुर से अछनेरा (42 फेरे) तथा काठगोदाम से मुम्बई सेन्ट्रल (28 फेरे) इत्यादि स्टेशनों के मध्य पूजा विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी प्रकार, इस रेलवे के अन्य स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 50 पूजा विशेष ट्रेनें 1196 फेरों में संचालित हो रही हैं। इन ट्रेनों के संचलन से मार्गवर्ती स्टेशनों के यात्रियों को जाने/आने में काफी सुविधा हो रही है।

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास! वर्ल्ड कप में ऐसा करने वाली बनीं दूसरी भारतीय खिलाड़ी!

(जीएनएस)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। रविवार 19 अक्टूबर को इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के अहम मुकाबले के दौरान हरमनप्रीत ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। हालांकि, हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत को पिछले तीन मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है।

वर्ल्ड कप में पूरे किए 1000 रन

इंदौर के होलकर क्रिकेट स्टेडियम में भारत 289 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा कर रहा था। इस दौरान हरमनप्रीत कौर ने उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ मिलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाने के लिए एक शानदार पारी खेली। अपनी इस जुझारू पारी के दौरान हरमनप्रीत कौर ने महिला वनडे विश्व कप के इतिहास में 1000 रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनकर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया।

मिताली राज के क्लब में हुईं शामिल

हरमनप्रीत कौर अब इस विशिष्ट क्लब में पूर्व भारतीय कप्तान और

दिग्गज मिताली राज के साथ शामिल हो गई हैं। मिताली राज ने अपने करियर में विश्व कप में 1321 रन बनाए थे और वह इस टूनार्मेंट में सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। कौर को इस रिकॉर्ड तक पहुँचने के लिए मैच में 53 रनों की आवश्यकता थी। उन्होंने यह उपलब्धि 28वें ओवर में चार्ली डीन की गेंद पर मिड-विकेट की ओर खेलकर दो रन लेने के साथ हासिल की।

बनी दुनिया की सातवीं खिलाड़ी

हालांकि कौर इस मुकाम तक पहुंचने वाली दूसरी भारतीय हैं, लेकिन वह विश्व कप के इतिहास में 1000 रन बनाने वाली दुनिया की केवल सातवीं खिलाड़ी हैं। न्यूजीलैंड की पूर्व बल्लेबाज डेबी हॉकले 1501 रनों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं। कौर ने 31 मैचों में यह मुकाम हासिल किया और इस रिकॉर्ड-ब्रेकिंग सूची में अपनी जगह सुनिश्चित की। इंग्लैंड के खिलाफ कौर ने मंधाना के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 125 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिसने शुरूआती झटकों के बाद भारतीय पारी को संभाला। दुर्भाग्य से, वह 31वें ओवर में 70 रन बनाकर आउट हो गईं

महिला वनडे विश्व कप में 1000+ रन बनाने वाली खिलाड़ी (टॉप-7)

डेबी हॉकले (न्यूजीलैंड): 1501 रन

मिताली राज (भारत): 1321 रन

जेनेट ब्रिटेन (इंग्लैंड): 1299 रन

चार्लोट एडवर्ड्स (इंग्लैंड): 1231 रन

सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड): 1208 रन

बेलिंडा क्लार्क (ऑस्ट्रेलिया): 1151 रन

हरमनप्रीत कौर (भारत): 1017 रन

'इस अपराध को संभाल नहीं पाओगे', प्रेमानंद महाराज ने पिता-पुत्र की किस बात को सुनकर दी चेतावनी?

(जीएनएस)।

वृंदावन के संत प्रेमानंद जी महाराज के खराब स्वास्थ्य की फर्जी खबरों ने उनके लाखों भक्तों को चिंतित कर दिया था। महाराज का 2020 में अस्पताल जाते समय का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर 'निधन' की खबर के साथ वायरल हो रहा था। इन अफवाहों के बीच, महाराज ने हाल ही में एक भक्त से बातचीत के दौरान इन फर्जी खबरों पर पहली बार प्रतिक्रिया दी।

प्रेमानंद महाराज ने वायरल हुई खबरों पर कहा कि, 'क्या ये भी बोल दिया कि पधार गए।' इसी सवाल के जवाब में महाराज के एक भक्त ने एक मजेदार एक किस्सा सुनाया। भक्त ने बताया कि वह जब महाराज के दर्शन के लिए वृंदावन आ रहा था, तब उसके पिताजी का फोन आया और उन्होंने कहा कि, 'तुम तो वहां जा रहे हो, लेकिन वो (प्रेमानंद) तो रहे ही नहीं।'

इस बात पर प्रेमानंद महाराज जोर-जोर से हंसने लगे। उन्होंने भक्त से कहा कि वह अपने पिताजी से कह दे कि 'मैं बात करके आ रहा हूं।' हंसते हुए महाराज ने कहा कि, कह देना कि 'लौट आए।'

महाराज ने सोशल मीडिया पर इस खबर को 'वायरल' करने वालों को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'जैसे

हजारों लोग इस खबर से दुखी हुए। इस दुख का कारण आप बने न, फिर आपको भोगना पड़ेगा।'

उन्होंने कहा कि व्यूज शायद आपको पैसे दे सकते हैं, लेकिन अपराध से मुक्त नहीं कर सकते। महाराज ने हैरानी के साथ कहा कि ये भाव का खेल है। इसमें खेल नहीं खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों के दुख जो परिणाम देगा वो आप संभाल नहीं पाओगे। इसलिए एकदम सही खबर देनी चाहिए। जब वह दुख इकट्ठा होता है, तो उसका परिणाम आपको मिलेगा। आपके द्वारा दी गई गलत खबर का जब परिणाम आएगा, तब आप संभाल नहीं पाएंगे।

प्रेमानंद महाराज को किडनी देने वालों की बाढ़

प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य को लेकर फर्जी खबरें तब फैलीं, जब 2 अक्टूबर को उनके श्रीराधे हित केलिकुंज आश्रम ने स्वास्थ्य कारणों से पदयात्रा कुछ दिनों के लिए स्थगित करने की जानकारी दी थी। इसके बाद ही अस्पताल का पुराना वीडियो वायरल हो गया था।

एजाज खान समेत कई लोगों ने किडनी दान की इच्छा जताई

महाराज के स्वास्थ्य को लेकर उड़ाई गई अफवाहों से उनके चाहने वाले इतने चिंतित हुए कि उन्हें अपनी किडनी दान करने की पेशकश की बाढ़ आ गई।

एजाज खान (एक्टर): रियलिटी टीवी स्टार और एक्टर एजाज खान ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर कहा कि अगर उनकी किडनी महाराज से मैच हो जाए तो वह दान करना चाहते हैं, क्योंकि महाराज ने कभी किसी धर्म के खिलाफ नहीं बोला।

राज कुंद्रा: एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा पहले ही किडनी दान करने की इच्छा जता चुके हैं।

दिनेश फलाहारी बाबा: मथुरा के संत ने अपील की कि महाराज राज कुंद्रा की बजाय उनकी किडनी लें।

मुस्लिम समुदाय से पेशकश: मध्य प्रदेश के आरिफ खान चिश्ती और मेहनाज खान नामक एक मुस्लिम युवती ने भी किडनी दान करने की इच्छा जताई थी।

अन्य: प्रसिद्ध संत शरणानंद जी महाराज के एक शिष्य ने भी किडनी दान करने का प्रस्ताव दिया था।

आश्रम प्रशासन और स्थानीय पुलिस ने साफ कर दिया है कि संत प्रेमानंद जी पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं और नियमित रूप से भक्तों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने जनता से किसी भी अपुष्ट जानकारी पर भरोसा न करने की अपील की है।

दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाली बनीं पहली भारतीय खिलाड़ी, बन गया वर्ल्ड रिकॉर्ड

(जीएनएस)।

आईसीसी महिला विश्व कप 2025 का रोमांचक दौर जारी है। 19 अक्टूबर को इंदौर के होलकर क्रिकेट स्टेडियम में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम का मुकाबला नैट साइवर-ब्रंट की इंग्लैंड टीम से हुआ। यह मैच भारत के लिए सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए 'करो या मरो' जैसा था। लेकिन टीम को यहां हार का सामना करना पड़ा।

दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

इस अहम मैच की पहली पारी में भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। दीप्ति ने अपने 10 ओवर के स्पैल में शानदार गेंदबाजी करते हुए चार महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें एक दुर्लभ उपलब्धि हासिल करने में मदद की। दीप्ति शर्मा अब महिला वनडे क्रिकेट में 2000 से अधिक रन बनाने और 150 से अधिक विकेट लेने वाली दुनिया की चौथी खिलाड़ी बन गई हैं।

दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हुईं दीप्ति शर्मा

इस सूची में उनसे आगे ऑस्ट्रेलिया की एलिसा पेरी (4414 रन, 166 विकेट), वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर (5873 रन, 155 विकेट) और दक्षिण अफ्रीका की मैरिजन कैप (3397 रन, 172 विकेट) हैं। इसके साथ ही दीप्ति झूलन गोस्वामी के बाद 150+ वनडे विकेट लेने वाली दूसरी भारतीय गेंदबाज भी बन गई हैं। पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी 255 विकेट के साथ महिला वनडे में सर्वाधिक विकेट लेने वाली खिलाड़ी हैं।

इंग्लैंड की शानदार बल्लेबाजी

हालांकि, दीप्ति शर्मा के शानदार प्रयास के बावजूद इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने बेहतरीन पारी खेली। नाइट ने सिर्फ 91 गेंदों में 109 रनों की शतकीय पारी खेली, जिसने इंग्लैंड को एक बड़े स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। उन्हें एमी जोन्स (56 रन) और नैट साइवर-ब्रंट (38 रन) का भी अच्छा साथ मिला। भारतीय गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा के अलावा श्री चरणी ने भी दो विकेट लिए।

इंग्लैंड की मजबूत बल्लेबाजी की बदौलत उन्होंने निर्धारित 50 ओवरों में 8 विकेट खोकर 288 रन बनाए। लेकिन भारतीय टीम इसे पाने से महज चार रनों से चूक गई। अब सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारतीय महिला टीम को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को हराना होगा।

कौन हैं विधायक गोपीचंद पडालकर, जिन्होंने हिंदू लड़कियों के जिम जाने पर दिया बयान

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के बीजेपी विधायक गोपीचंद पडालकर अपने हालिया बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। बीड़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने हिंदू लड़कियों को जिम न जाने की सलाह दी, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। पडालकर का यह बयान सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

भाजपा विधायक पडालकर ने कॉलेज जाने वाली हिंदू छात्राओं को जिम ना जाने की सलाह देते हुए, कारण बताते हुए सजग भी किया। उन्होंने कॉलेज जाने वाली हिंदू लड़कियों से कहा कि वे जिम के बजाय घर पर ही योग करें।

गोपीचंद पडालकर ने कहा हिंदू लड़कियों को नहीं पता कि एक बड़ी साजिश चल रही है, जिसके तहत एक विशेष समुदाय हिंदू लड़कियों को

लुभाने की कोशिश कररहा है। उन्होंने लड़कियों से उन जिमों से बचने का आग्रह किया जहां उन्हें प्रशिक्षक के बारे में जानकारी नहीं है।

पडालकर ने अपने बयान में कहा, "हिंदू लड़कियों से मेरा विनम्र अनुरोध है कि वे ऐसे जिम न जाएं जहां आपको पता ही नहीं कि उनका प्रशिक्षक कौन है। कॉलेज जाने वाली लड़कियां जिम जाने के बजाय घर पर योग करें।" उन्होंने अज्ञात प्रशिक्षकों और संदिग्ध गतिविधियों के प्रति आगाह किया।

विधायक ने इसके पीछे एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करते हुए कॉलेज परिसर में बिना पहचान पत्र के आने वाले युवाओं पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तियों को कॉलेज में प्रवेश नहीं मिलना चाहिए और इसके लिए एक मजबूत प्रतिरोधक तंत्र बनाने की आवश्यकता है। पडालकर के अनुसार, ऐसे कदम उठाने से ही संदिग्ध गतिविधियों पर रोक लगाई जा सकेगी।

गोपीचंद पडालकर, महाराष्ट्र से भाजपा के एक विधायक हैं, जिन्होंने राज्य की राजनीति में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।